



Ritik Singhal

18 Feb 2000

12:25 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121059202

लिंग \_\_\_\_\_: पुल्लिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 18/02/2000  
दिन \_\_\_\_\_: शुक्रवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 12:25:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 13:37:42 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Delhi  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 28:39:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 77:13:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:21:08 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 12:03:52 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: -00:14:02 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 21:54:07 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 06:57:55 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 18:12:42 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 11:14:47 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: उत्तरायण  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: दक्षिण  
ऋतु \_\_\_\_\_: शिशिर  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 05:04:03 कुम्भ  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 19:05:08 वृष

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: वृष - शुक्र  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: कर्क - चन्द्र  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: पुष्य - 4  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: शनि  
योग \_\_\_\_\_: सौभाग्य  
करण \_\_\_\_\_: गर  
गण \_\_\_\_\_: देव  
योनि \_\_\_\_\_: मेष  
नाड़ी \_\_\_\_\_: मध्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: विप्र  
वश्य \_\_\_\_\_: जलचर  
वर्ग \_\_\_\_\_: श्वान  
युँजा \_\_\_\_\_: मध्य  
हंसक \_\_\_\_\_: जल  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: डा-डालचंद  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: ताम्र - रजत  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: कुम्भ

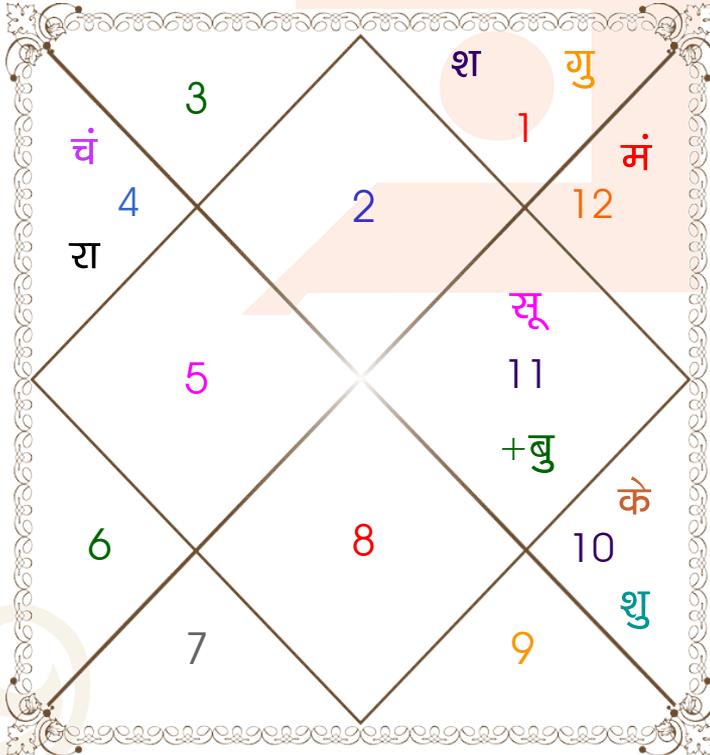
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	19:05:08	364:14:44	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	---
सूर्य			कुंभ	05:04:03	01:00:31	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	शत्रु राशि
चंद्र			कर्क	16:18:11	14:32:46	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	स्वराशि
मंगल			मीन	10:53:47	00:45:33	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	मित्र राशि
बुध			कुंभ	22:26:20	00:32:18	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
गुरु			मेष	06:42:28	00:10:10	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	मित्र राशि
शुक्र			मक	06:15:27	01:14:02	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	मित्र राशि
शनि			मेष	17:41:08	00:03:55	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	मंगल	नीच राशि
राहु	व		कर्क	09:45:32	00:00:34	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		मक	09:45:32	00:00:34	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	23:38:15	00:03:26	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	---
नेप			मक	11:06:48	00:02:07	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
प्लूटो			वृश्चि	18:51:03	00:00:54	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			कुंभ	02:25:44	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	केतु	--

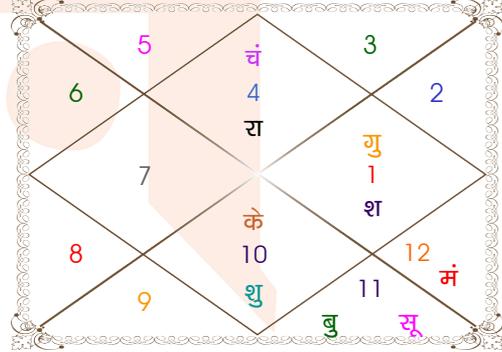
व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:19

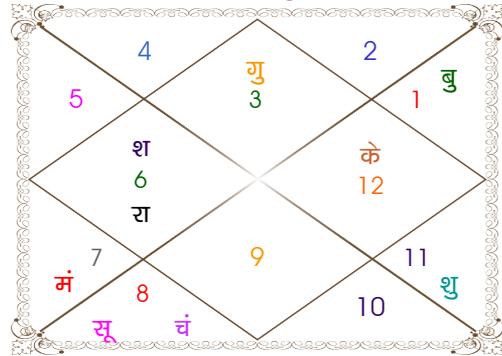
### लग्न-चलित



### चन्द्र कुंडली



### नवमांश कुंडली



## विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 0 वर्ष 6 मास 6 दिन

शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष
18/02/2000	25/08/2000	26/08/2017	25/08/2024	25/08/2044
25/08/2000	26/08/2017	25/08/2024	25/08/2044	26/08/2050
00/00/0000	बुध 22/01/2003	केतु 22/01/2018	शुक्र 26/12/2027	सूर्य 13/12/2044
00/00/0000	केतु 19/01/2004	शुक्र 24/03/2019	सूर्य 25/12/2028	चंद्र 13/06/2045
00/00/0000	शुक्र 19/11/2006	सूर्य 30/07/2019	चंद्र 26/08/2030	मंगल 19/10/2045
00/00/0000	सूर्य 25/09/2007	चंद्र 28/02/2020	मंगल 26/10/2031	राहु 13/09/2046
00/00/0000	चंद्र 24/02/2009	मंगल 26/07/2020	राहु 26/10/2034	गुरु 02/07/2047
00/00/0000	मंगल 21/02/2010	राहु 13/08/2021	गुरु 26/06/2037	शनि 13/06/2048
00/00/0000	राहु 09/09/2012	गुरु 20/07/2022	शनि 25/08/2040	बुध 20/04/2049
18/02/2000	गुरु 16/12/2014	शनि 29/08/2023	बुध 26/06/2043	केतु 26/08/2049
गुरु 25/08/2000	शनि 26/08/2017	बुध 25/08/2024	केतु 25/08/2044	शुक्र 26/08/2050

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
26/08/2050	25/08/2060	26/08/2067	26/08/2085	27/08/2101
25/08/2060	26/08/2067	26/08/2085	27/08/2101	19/02/2120
चंद्र 26/06/2051	मंगल 21/01/2061	राहु 08/05/2070	गुरु 14/10/2087	शनि 29/08/2104
मंगल 25/01/2052	राहु 09/02/2062	गुरु 01/10/2072	शनि 26/04/2090	बुध 09/05/2107
राहु 26/07/2053	गुरु 16/01/2063	शनि 08/08/2075	बुध 01/08/2092	केतु 17/06/2108
गुरु 25/11/2054	शनि 25/02/2064	बुध 24/02/2078	केतु 08/07/2093	शुक्र 18/08/2111
शनि 25/06/2056	बुध 21/02/2065	केतु 15/03/2079	शुक्र 08/03/2096	सूर्य 30/07/2112
बुध 25/11/2057	केतु 20/07/2065	शुक्र 14/03/2082	सूर्य 25/12/2096	चंद्र 28/02/2114
केतु 26/06/2058	शुक्र 19/09/2066	सूर्य 06/02/2083	चंद्र 26/04/2098	मंगल 09/04/2115
शुक्र 25/02/2060	सूर्य 25/01/2067	चंद्र 07/08/2084	मंगल 02/04/2099	राहु 13/02/2118
सूर्य 25/08/2060	चंद्र 26/08/2067	मंगल 26/08/2085	राहु 27/08/2101	गुरु 19/02/2120

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 0 वर्ष 6 मा 7 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

## लग्न फल

आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के तृतीय चरण में वृष लग्न के उदय काल हुआ था। जन्मकाल के समय ही मिथुन के नवमांश में कन्या द्रेष्काण भी उदित था। इस विन्दु पर जन्म के फलस्वरूप आपका जीवन सुखद, आरामदायक धन धान्य से पूर्ण आनंददायक जीवन व्यतीत होने की संभावनाओं का भी सृजन हुआ है।

आप व्यक्तिगत रूप से कठिन श्रम की भावना से समर्पित प्राणी हैं। आप अपने उद्येश्यित कार्य को यथार्थता के साथ स्पष्ट रूप से संपादित करेंगे।

आप धन-धान्य की पर्याप्त प्राप्ति हेतु समझ से पूर्व नियत स्थान पर पहुंचने का निर्णय करेंगे। परंतु आप अपनी यह धारणा ग्रहण करें कि अतिरिक्त विकास एवं पूर्ण सफलता प्राप्ति हेतु अपने उद्देश्य का संपादन कर लेंगे। वास्तव में आपके लिए आकस्मिक रूप से मात्र आलस्यपूर्ण प्रवृत्ति का त्याग करना ही उत्तम होगा।

आप पहले से ही धन की महत्ता से परिचित हैं। आप कठिन श्रम एवं दुरुह रास्ते से धनोपार्जन करेंगे तथा धन के व्यय पर सतर्क भी रहेंगे। आप निश्चित रूप से बहुत उत्तम प्रकार के भौतिक सुख प्राप्ति हेतु, धनकोष का संग्रह करेंगे।

आप वित्तीय विषयक किसी भी प्रकार का दुरुपयोग सा सामंजस्य नहीं करेंगे।

आप अत्यंत धन संचय करने के लिए लोभ की पराकाष्ठा तक पहुंचे हुए प्राणी हैं। आप में पूर्ण विश्वसनीयता विद्यमान हैं। आप किसी का धन अनीतिपूर्ण ढंग से नहीं प्राप्त करना चाहते बल्कि आप धन प्राप्ति के लिए उपयुक्त सुअवसर पर ऐसा कार्यान्वयन करते हैं। क्योंकि सत्य तो यह है कि आप धन प्राप्ति संबंधी योजनाओं को सांसारिक रीति से बुद्धिमत्तापूर्वक समर्पित भाव से कार्य रूप देते हैं। साथ ही अन्य लोगों को भी धन प्राप्ति के लिए मार्ग दर्शन करते हैं।

आप किसी के साथ छेड़खानी करना या किसी पर आक्रमण करने पर विश्वास नहीं करते। आप एक आस्तिक प्राणी हैं। आप अपनी स्पष्ट वादिता पूर्वक संतोषजनक सफलता या, निकटता हेतु किसी को भी तरजीह देते हैं। परंतु जब कोई किसी भी समय या अवसर पर कोई शत्रुता पूर्वक आप से इर्ष्या करता है तो आप उसके प्रगति के पथ पर अवरोधक उत्पन्न करने का प्रयास करते हैं। आपका प्रदर्शन बाधा पूर्ण एवं विध्वांसात्मक रूप से व्यवधान कारक हो जाता है अस्तु आप अपने धैर्य को सीमा के बाहर जाने के लिए सतर्क रहें। अर्थात् अपने धैर्य का संतुलन बनाए रखें।

आप स्वाभाविक रूप से यांत्रिक कला में दक्ष एवं परिश्रम तथा समुचित खोजकर अपने लक्ष्य तक पहुंचने वाले प्राणी हैं। आप सामान्यतया प्रशासनिक सेवा कार्य हेतु उपयुक्त हैं। यथा होटल प्रबंधक, अथवा सौंदर्य प्रसाधित व्यवसाय आदि तथा आपकी रुचि साहित्यिक भावनानुसार हो, तो आप उच्च कोटि के लेखक भी हो सकते हैं यदि आप में लेखन कला एवं क्षमता विद्यमान हो। यद्यपि आप मध्यम कद के ऊंची कंधे वाले, उभरी छाती, उन्नत ललाट एवं

चमकीली आखों से युक्त सुंदर व्यक्तित्व के जीव हैं। आप से विपरीत योनि के प्राणी (स्त्री) आकर्षित रहेंगी।

आपका पारिवारिक जीवन अति आनंददायक साथ-साथ कठिन एवं कोई न कोई आर्थिक समस्याओं से सदैव युक्त रहेगा। साथ ही आपका पारिवारिक जीवन सुव्यवस्थित रहेगा। आप अपने नजदीकी और प्रियजनों को यथेष्ट प्यार और सम्मान देंगे। आप अपने गले के रोग एवं टोनशील रोग के प्रति रक्षात्मक भावना रखें तथा कफ जनित तथा शीत प्रकोप से गले में होने वाले कष्ट तथा रोगों एवं पैरों की सूजन तथा दर्द की रक्षा हेतु सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरुवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

इसके अतिरिक्त आपके लिए अंक 2 तथा 8 अंक लाभदायक है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्यागनीय है। इसी प्रकार लाल रंग भी आपके लिए प्रतिकूल है। जबकि, आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग हरा, सफेद एवं गुलाबी रंग है।

